विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 26 नवंबर से 3 दिसंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 28 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में जिसने परिवार के लिए जीना सीख लिया है, माता-पिता का दिलसे आशिर्वाद प्राप्त कर लिया है, उसे अन्य प्रकार की कभी तकलीफ नहीं हो सकती है. लेकिन जहां समझदारी, एक-दूसरे के लिए त्याग की भावना नहीं होती है, उस घर में समृद्धि कितनी ही क्यों नहीं हो लेकिन असली आनंद कभी नहीं आ सकता है. इसलिए परिवार में त्यागी बनकर पीढ़ियों को सीख देनी चाहिए.

ओम जय गोविंदा,श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा क्रो पेज नंबर 4 पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है. श्रद्धा और विश्वास रहने पर जीवन में असंभव भी संभव हो जाता है. विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार,बडनेरा द्वारा भक्तों के लिए इस अनुभव को बांटने का छोटा सा प्रयास किया जा रहा है. निश्चित ही हमारा जीवन खुशियों से भरा रहेगा.

जय गोविंदा,जय गोविंदा.

निर्विरोध विजेताओं में भाजपा है आगे

चिखलदरा नगर परिषद से मुख्यमंत्री के परिजन कलोती निर्विरोध रहे विजेता, पार्टी में एकता लाभदायी

विदर्भ स्वाभिमान,26 नवंबर मुंबई/अमरावती- राज्य में नगर परिषद चुनाव तथा नगर पंचायत चुनावों के नतीजे महायुति के साथ ही महाविकास आघाड़ी सरकार की आगामी संभावनाओं का दरवाजा भी साबित हों गे. वैसे भी स्थानीय निकाय चुनाव में गठबंधन के दल भी अपने सहयोगियों के साथ मैदान में उतरे हैं, गठबंधन नहीं होने के कारण इसका नतीजा निश्चित ही राज्य के आगामी चुनावों का द्वार तय करेगा.राज्य में 100 से अधिक सीटें निर्विरोध जीतकर भाजपा ने आगामी समय उसके पक्ष में रहने का संकेत दिया है.

राज्य में भाजपा तथा शिवसेना शिंदे गुट के नेताओं के बीच जो मतभेद वाली स्थिति आयी है, उसका खामियाजा दोनों ही दलों को भुगतने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है. यह चुनाव जहां जिला परिषद तथा महानगर पालिका चुनाव के पूर्व का ट्रायल साबित होगा, वहीं भरपूर कामयाबी के दावे करने वालों के लिए भी यह किसी उदाहरण की तरह रहेगा.पहले चरण में (नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव) में भाजपा के करीब 100 उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए.इसके साथ ही, राज्य में 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव कराने की प्रक्रिया है, और मत-गणना तय रूप से होनी है.हालांकि, चुनाव से पहले ही कुछ सीटों पर

आरक्षण की कुल सीमा 50 फ़ीसदी से अधिक हो जाने को लेकर विवाद है.सुप्रीम कोर्ट ने इस पर नाराज़गी जताई है और चेतावनी दी है कि ऐसी सीटों पर चुनाव रद्द हो सकते हैं.इसलिए, चुनावी प्रक्रिया पर तलवार लटकी है. अगर कोर्ट फैसला आरक्षण सीमा उल्लंघन को रद्द करती है तो कई जगहों पर चुनाव स्थगित या पुर्ननिर्धारित हो सकते हैं.भाजपा के लिए निर्विरोध जीत और मजबूत शुरुआतः इससे भाजपा की स्थानीय स्तर पर पकड़ और संगठनात्मक ताकत दिखी है. कई जगह विपक्ष ने मुकाबले से हटने का फैसला किया, जिससे भाजपा को बिना चुनौती के जीत मिल गई.गठबंधन व दलों के बीच दरार: राज्य में जो गठबंधन या राजनीतिक समीकरण बने थे उनका समीकरण बदल सकता है.क्योंकि स्थानीय निकायों में सत्ता बंटवारे, उम्मीदवारों का चयन और स्थानीय नेतृत्व महत्व रखता है. उदाहरण के लिए, कुछ रिपोर्ट कह रही हैं कि इस चुनाव में गठबंधन दलों के बीच मतभेद स्पष्ट दिख रहे हैं.आगामी बड़े चुनावों जैसे नगर निगम स्तर, नगर निगमों वाले हिस्सों आदि के लिए यह चुनाव महत्वपूर्ण

शेष पेज 2 पर

ऑपरेशन सिंदूर में भी जवानों ने निभाई मानवता

दिल्ली- भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशनसिंदूर के दौरान भी मानवता की जिस तरह से दीपक जलाए रखा गया, वह सराहनीय है. जहां लीडरशिप ने बॉर्डर पार से भारी गोलाबारी के दौरान एक ज़रूरी नेशनल इंस्टॉलेशन की सुरक्षा के लिए टीम की तारीफ़ की. गोलियों के बीच 250 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में भूमिका निभाई.

ऑपरेशन सिंदूर में अनकही बहादुरी- ने खुलासा किया कि उसने उरी हाइड्रो पावर प्लांट पर पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया.जम्मू और कश्मीर के बारामूला ज़िले में झेलम नदी के किनारे से 8-10 किलोमीटर दूर, उरी हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स को काउंटरटेरर सिक्योरिटी कवर दिया। भारी मिलिट्री टेंशन के समय में घर-घर जाकर आम लोगों को निकालने के लिए इन लोगों को सम्मानित और पहचाना गया है। सैनिकों ने पाकिस्तानी गोलाबारी के बीच महिलाओं, बच्चों नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन के स्टाफ और उनके परिवारों को निकाला.बयान में कहा गया, 'उनके तुरंत और बिना डरे कामों से करीब 250 आम लोगों को सुरक्षित निकाला गया, जिससे किसी भी तरह की जान का नुकसान नहीं हुआ. भले ही गोलियां जगह के बहुत करीब गिरीं, लेकिन जवानों ने बंकरों को मजबूत करना, जीपीएस और सैटेलाइट सिस्टम के ज़रिए कम्युनिकेशन लाइनें बनाए रखना और इमरजेंसी मदद देना जारी रखा.'

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

एकता से जीतेंगे, मतभेद डुबाने का काम कर सकता है

राज्य में नगर परिषद, नगर पंचायत चुनाव में भाजपा के कई सदस्यों के निर्विरोध जीतने से जहां पार्टी की संभावना बेहतरीन है, वहीं दूसरी ओर शिंदे शिवसेना के साथ मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और एकनाथ शिंदे के बीच के मतभेद से दोनों ही नेता भले ही इंकार कर रहे हैं लेकिन इतना तय है कि सहयोगी दलों के मतभेद का लाभ विपक्षी दलों द्वारा उठाने पर दोनों ही कमजोर होंगे. देवेंद्र फडणवीस सरकार ने एक ने 1 साल का कार्यकाल लगभग पूरा कर लिया है. महायुति के तीनों सहयोगी दलों में सरकार गठन से लेकर अभी तक कई बार विभिन्न मद्दों को लेकर तनाव की स्थिति पैदा हो चुकी है. शिवसेना शिंदे अच्छा के नेता एकनाथ शिंदे तो सरकार गठन के पहले ही कोप भवन में अपने गांव निकल गए थे इसके चलते कयास लगाया जा रहा था कि सत्ता के लिए सरकार तो बन जाएगी लेकिन हर दूसरे चौथे दिन एक दूसरे के कपड़े उतारने में यह कभी-कभी नहीं करेंगे. पिछले दिनों एकनाथ शिंदे ने भाजपा नेता अमित शाह से देवेंद्र फडणवीस और मंत्री रविंद्र चव्हाण की शिकायत करने के बाद से देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच अदृश्य रूप से तनाव की स्थिति है लेकिन दोनों ही नेताओं द्वारा समय-समय पर इससे इनकार किया जाता रहा है.

भारतीय राजनीति का इससे बड़ा दुखद पहलू और क्या होगा की सत्ता के लिए परस्पर विरोधी विचारधारा वाले भी मिल जाते हैं और जब तक हिट शादी होता है तब तक मजबूत गठबंधन चलता है जैसे ही एक दूसरे के लिए दिक्कत वाला विषय आ जाता है तो उनको एक दूसरे में चोर दिखाई देने लगता है. पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र सरकार में देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं बताया जाता है लेकिन इज्जत की खातिर दोनों ही नेताओं द्वारा यह मतभेद निराधार और बेबुनियाद बताया जाता है. देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि शिवसेना शिंदे गुट के साथ किसी तरह का मतभेद नहीं है. राज्य में सरकार अच्छे से चल रही है यह बात कई लोगों को अखर रही है. नेता कितना भी झूठ बोले लेकिन जिस तरह से एक दूसरे के खिलाफ टांगे करते हैं उसके चलते यह अंदाज लगाना कठिन नहीं है कि राज्य सरकार में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है. दिल्ली वालों ने राज्य स्तर की समस्याओं को राज्य स्तर पर ही हल करने को कहते हुए इस मामले में सीधे हाथ झटक दिया है. फडणवीस के मख्यमंत्री बनने का विरोध पहले से ही होता रहा हैं लेकिन क्योंकि उनके संबंध सीधे नरेंद्र मोदी और अमित शाह से रहने के कारण राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी ताजपोशी की गई. वर्तमान में राज्य में चुनाव का दौर चल रहा है, ऐसे में दोनों सहयोगी दलों के बीच का मतभेद अंत में दोनों को ही नुकसान पहुंचाएगा, इतना तय है. समय रहते यह समझना जरूरी है. समझ गए तो बेड़ा पार हो सकता है.

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का हकदार

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

150 देशों का समर्थन भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए रहने के बाद भी जिस तरह से चीन द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है, उसके चलते इस राष्ट्र की निर्मित वस्तुओं का राष्ट्र प्रेमी सभी लोगों को बहिष्कार करते हुए इसकी मगरूरी उतारने का समय आ गया है. भारत सदा सम्मान देने के बाद भी पाकिस्तान को आतंकवाद सहित सभी बुराईयों में मदद करने वाले चीन को आर्थिक चोट पहुंचाए बिना उसे प्रभावित करना मुश्किल है. भारत वैश्वीक बाजार में सबसे मजबूत राष्ट्र रहने के कारण चीन को धड़ा सिखाना जरूरी हो गया है. समय के साथ सब कुछ तेजी से विश्व स्तर पर बदल रहा है. ऐसे में विश्व मंच पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के महत्वपूर्ण भूमिका में भारत ने सदैव महत्वपूर्ण स्थान निभाया है. इस बात का सबूत यह है कि आज वर्षों से केवल पांच देशों रूस, फ्रांस,चीन अमेरिका और ब्रिटेन ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वैश्विक मंच में सुधार की जो बात कही है वह शत प्रतिशत सही है. उन्होंने इस परिषद में सुधार की जोरदार वकालत की है और कहा है कि भारत ब्रजील और दक्षिण अफ्रीका के त्रिपक्षीय मंच को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्था संयुक्त राष्ट्र में बदलाव अब विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता हो गई है. भारत आज तेजी से हर क्षेत्र में विकास कर रहा है. दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में भारत की साख पूरे विश्व में बढ़ रही है. विज्ञान तथा पर्यावरण संतुलन के क्षेत्र में आज भारत काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है और जहां भी शांति और सुरक्षा की बात आती है अन्य राष्ट्रों की तुलना में भारत पूरी ताकत के साथ खड़ा रहता है और आज यह जरूरी हो गया है कि हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ाने वाले भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाया जा सके. भारत द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का यह जादू ही कहना चाहिए कि भारत के इस विचार के समर्थन में विश्व के 150 से अधिक देश सामने आए हैं लेकिन चीन द्वारा अकेले इसका विरोध किया जा रहा है. भारत जहां चीन को सदा समझने का प्रयास करता है लेकिन चीन द्वारा किसी न किसी रूप में भारत के खिलाफ जहर उगलने का ही कार्य किया जाता है.

रविवार को दक्षिण अफ्रीका के जो हंस वर्ग में जी-20 समिट में इब्सा की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बेहतर ग्लोबल गवर्नेंस के लिए संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में बदलाव जरूरी हो गया है. वर्तमान दौर में विभाजित दुनिया में यह संगठन एकता सहयोग और मानवता का संदेश देने में सक्षम है.इब्सा के तीनों महत्वपूर्ण देश तीनों महाद्वीप में तीन बड़ी अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं. विश्व में 150 देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के मजबूत दावेदारी का समर्थन किया है. अकेला चीन ही भारत का विरोध कर रहा है जबकि अमेरिका, ब्रिटेन फ्रांस और रूस भी भारत की दावेदारी का समर्थन कर रहा है. विश्व स्तर के मंच पर किसी एक देश की दावेदारी और तानाशाही को झेलना निश्चित तौर पर इस विश्व में अपनी संगठन की मजबूती पर सवाल खड़ा करता है. ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिस तरह से भारत का मजबूत पक्ष रखा गया है उसकी न केवल शरण की जानी चाहिए बल्कि भारत में तमाम खूबियां रहने और अन्य कई बातें रहने के बाद अभी तक के इस मंच से भारत को कैसे क्या दूर रखा गया इसके बारे में भी विचार किए जाने की जरूरत है. भारत को इस वैश्विक मंच के संगठन मैं स्थाई सदस्यता देना अत्यधिक जरूरी हो गया है. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत जैसे देश शामिल होने के बाद निश्चित तौर पर विश्व में इस संगठन की जहां साख बढ़ेगी वहीं दूसरी ओर इस मंच का उपयोग भारत विश्व स्तर पर ऐसे देश के लिए भी कर सकेगा जिन देशों की कोई बात बड़े राष्ट्रों के सामने सुनी भी नहीं जाती है. भारत भी विश्व का न केवल शक्तिशाली राष्ट्र रहे बल्कि आज हर क्षेत्र में भारत ने जिस तरह की तरक्की की है उसके चलते यह उसका अधिकार भी है. हमें उम्मीद है कि निश्चित तौर पर भारत की यह पहला पूरे विश्व को अपने पक्ष में करने में सफल होगी और भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई समिति का सदस्य बनेगा.

विजेताओं में भाजपा है आगे

भाजपा में एकता के साथ ही संयुक्त प्रयास तारेगा

अमरावती जिले में दस नगर परिषद और दो नगर पंचायतों में भाजपा द्वारा जीत के लिए जिस तरह की एकता का परिचय दिया जा रहा है, गुटबाजी ज़हां पार्टी में गायब है, वहीं मैदान में उतरने वाले प्रत्याशी भी बेहतरीन रहने के कारण पार्टी की संभावना बेहतरीन दिखाई दे रही है. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ ही पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, विधायक प्रताप अडसड़, राजेश वानखडे, प्रवीण तायडे सहित सभी पदाधिकारी कामयाबी के लिए प्रयास कर रहे हैं. इससे नतीजा बेहतरीन रहने की संभावना है.

पेज 1 से जारी- साबित होगा.जनता की सहभागिता व जवाबदेही: चुनावों में जनता की भागीदारी (मतदान, स्थानीय पारदर्शिता) और निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही महत्वपूर्ण होती है. शुरुआती निर्विरोध जीत से यह जांचना होगा कि स्थानीय जनता को पर्याप्त विकल्प मिले या नहीं अगर विकल्प कम मिले, तो लोकतंत्र का अर्थ सीमित हो सकता है.आरक्षण व सामाजिक न्याय: जिस तरह आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सतर्कता दिखाई है यह संकेत है कि सामाजिक न्याय और आरक्षित वर्गों की भागीदारी व अधिकारों की रक्षा पर निगाह रहेगी. अगर सीटों का आरक्षण सही से हो, तो पिछड़े वर्गों व अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व मिलेगा; नहीं तो विवाद और असंतोष बढ़ सकता है.

संभावित चुनौतियाँ और अगली जटिलताएं-चुनाव प्रक्रिया के वैधता विवाद: जैसा कि आरक्षण सीमा को लेकर विवाद हुआ है, अगर कोर्ट कुछ चुनाव रद्द करती है या पुनर्निर्धारित करती है तो इससे राजनीतिक अस्थिरता, प्रशासन में देरी और स्थानीय प्रशासन की वैधता पर प्रश्न उठ सकते हैं.दलों के बीच गठबंधन और टकराव: स्थानीय नेताओं, टिकट बंटवारे, प्रभाव-क्षेत्र आदि पर मतभेद से राजनीतिक गठबंधनों में अस्थिरता आ सकती है. इससे वोटर्स व जनता में भ्रम पैदा हो सकता है.विकास व प्रशासनिक कामों में देरी: चुनावी विवाद या पुनर्निर्धारण के कारण नगर परिषद/पंचायतों में नए प्रतिनिधि चुनने व काम शुरू करने में देरी हो सकती है इस दौरान विकास कार्य, योजनाएं, बजट वितरण आदि प्रभावित होंगे.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

एकता, मानवता, कर्तव्य का संगम है हमारा संविधान

भारतीय संविधान दिवस पर विशेष, पूरे देश को जोड़ने की अपार शक्ति है इसमें निहित

विदर्भ स्वाभिमान, 26 नवंबर अमरावती- विश्व में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बाद भी आज भी भारतीय संविधान सबसे अधिक महान है. यही कारण है कि भारत के पड़ोसी देशों में जहां उथल-पुथल मची रहती है, लोकतंत्र होने के बाद भी सेना हावी रहती है लेकिन भारतीय संविधान की सबसे बड़ी ताकत का सबूत यह है कि हर स्थिति से निपटने की ताकत भारतीय संविधान में है. भारतीय संविधान दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर द्वारा भारतीयों को दिया गया सबसे अनुपम उपहार इसे कहना गलत नहीं होगा. भारतीय संविधान जहां देश की सभी व्यवस्थाओं का संचालन बेहतरीन तरीके से कर रहा है, वहीं दूसरी ओर हर स्थिति से निपटने में यह सक्षम है. विश्व में सबसे अधिक जाति,धर्म,पंथ तथा विविधताओं में भी एकता का अनूठा उदाहरण हमारा यह संविधान है. हर भारतीय को इस पर गर्व करना चाहिए, धन्य हैं संविधान निर्माण में योगदान देने वाले सभी सदस्य और एकता में साकार करने वाले डॉ.बाबासाहब आंबेडकर और उनकी टीम, जिन्होंने महान लोकतंत्र को इस तरह का उपहार दिया. जनता से जनता के लिए बनाया गया यह महान संविधान है. यही कारण है कि इसकी प्रस्तावना में ही लिखा है-हम भारत के लोग...यह वाक्य दर्शाता है कि सत्ता का वास्तविक स्रोत जनता ही है. हमारे महान संविधान ने मौलिक अधिकार दिए हैं.संविधान ने हर नागरिक को मौलिक अधिकार दिए हैं.संविधान का अमृत महोत्सव अभी मनाया गया. यह संविधान लोगों को लिखकर देने की प्रेरणा देता है.

अधिकारों में जीवन का अधिकार, समानता, स्वतंत्रता, धर्म की स्वतंत्रता, शिक्षा, संवैधानिक उपचार आदि शामिल हैं.ये अधिकार हर इंसान को सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं.जाति, धर्म, लिंग, भाषा, क्षेत्र के आधार पर भेदभाव की कोई जगह नहीं. सभी को संविधान ने कानून के सामने समान हैं. भारत का लोकतंत्र संविधान के कारण ही विश्व में सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र है. यह संविधान की सबसे बड़ी महानता है. जनता द्वारा चुनी सरकार, स्वतंत्र न्यायपालिका और निष्पक्ष चुनाव आयोग ये सब संविधान की देन हैं.केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का समान संतलन, जिससे देश एकजट भी रहता है और क्षेत्रीय विकास भी संभव होता है.न्यायपालिका संविधान की रक्षा करती है और नागरिकों के अधिकारों की संरक्षक है. जीवन में राष्ट्र सर्वोपरि रहने के सिद्धांत के साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भी उतना ही महत्व दिया गया है. इसके तहत हर नागरिक को अपनी आस्था,पूजा और धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है.भारत सभी धर्मों का समान सम्मान करता है. कोई बड़ा नहीं, कोई छोटा नहीं और सभी को अपने धर्म के साथ ही दूसरे के धर्म का सम्मान करने की सीख दी गई है. संविधान सभा की स्थापना 1946 में हुई.डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर को संविधान मसौदा समिति का अध्यक्ष चना गया.लगभग 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन में संविधान तैयार हुआ.26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ और भारत एक गणराज्य बना.यह संविधान ही है, जिसमें पूरे देश को बांधे रखने की चमत्कारी शक्ति है और आजादीके बाद से इसका अनुभव समस्त देशवासियों ने भी किया है. यही कारण है कि हमें भारत के संविधान की महानता पर गर्व करना चाहिए. क्योंकि यह समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों पर आधारित है.यह बदलते समय के साथ संशोधित हो सकता है, इसलिए जीवंत और आधुनिक दस्तावेज है. इसकी लवचिकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह समय के साथ बदलाव में विश्वास रखता है. आजादी के बाद से स्थितियों के मुताबिक इसमें बदलाव होने के बाद भी इसका मूल ढांचा सदा अक्षुण्य रहता है. यह एकता में विविधता की अनूठी भावना को मजबूत करता है. आज पड़ोसी पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल जैसे देशों में जहां उथल-पुथल होती रहती है और यहां के संविधान इसे रोकने में असफल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हमारा महान संविधान विविधताओं में भी एकता का परमोच्च उदाहरण रहने के साथ ही यह सदैव राष्ट्रीय एकता,अखंडता के साथ ही सभी समस्याओं के समाधान में न केवल सफल रहा है. बल्कि आज भी भारत तेजी से विकास के साथ ही विश्व मंच पर आगे बढ़ रहा है. इसका पूरा श्रेय हमारे महान भारतीय संविधान को देना गलत नहीं होगा. भारत का संविधान सिर्फ कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और लोकतंत्र की धड़कन है.यह हर नागरिक को न सिर्फ अधिकार देता है बल्कि कर्तव्य निभाने की प्रेरणा भी देता है.वास्तव में, भारत का संविधान सबसे महान संविधान है जो मानवता, न्याय और समानता का मार्गदर्शन करता है. 299 सदस्यीय संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ.बाबासाहब आंबेडकर की भूमिका प्रमुख रही और विश्व के महानतम संविधान का निर्माण किया. राष्ट्र की एकता और व्यक्ति की गरिमा को इसमें सबसे अधिक महत्व दिया गया है. राष्ट्र के विकास की भावनाओं को समझने की आज अत्याधिक आवश्यकता है.

लोकतंत्र की धड़कन है महान संविधान

भारत का संविधान सिर्फ कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और लोकतंत्र की धड़कन है.यह हर नागरिक को न सिर्फ अधिकार देता है बल्कि कर्तव्य निभाने की प्रेरणा भी देता है.वास्तव में भारत का संविधान सबसे महान संविधान है जो मानवता, न्याय और समानता का मार्गदर्शन करता है. भारतीय संविधान लोकतंत्र की धड़कन होने का मत सुख्यात समाजसेवी तथा संविधान विषय के वक्ता सुदर्शन गांग ने व्यक्त किया.

ग्राम पंचायत कार्यालय,क़ारला

पंचायत समिति अंजनगांव सुर्जी ,जि. अमरावती

निविदा सूचना

या द्वारे ग्राम पंचायत क़ारला, पंचायत समिती अंजनगांव,जि.अमरावती कडून खालील कामासाठी जि.प.बांधकाम विभाग पंजीकृत कंत्राटदाराकडून बी-1 पद्धतीने लिफाफाबंद निविदा मागविण्यात येत आहे. कोरी निविदा ग्रा.पं.कार्यालय क़ारला कडून देण्यात येईल.

अनु. क्रमांक	क़ामाचे नाव	क़ामाची अंदाजित रक्कम	निविदा दरपत्रक पद्धति	निविदा फी	इसारा रक्कम डीडी स्वरूपात	काम पूर्ण करण्याचा कालावधी	निविदा दरपत्रक मागविण्याचा दिनांक	प्राप्त निविदा दरपत्रक उघडण्याचा दिनांक
1	सीमेंट कांक्रिट रस्ता व नाली बांधकाम आंबेडकर नगर	5,000,00/-	बी-1 लिफाफा बंद निविदा	5,00/-	1 टक्के	90 दिवस	27-11-2025 ते 01-12-2025	02-12-2025 ला कार्यालयीन वेळेत उघडण्यात येईल

अटी व शर्ती

1) निविदा ह्या दोन लिफाफा पद्धतीने टाकणे अनिवार्य राहील.
2) निविदा मंजूर/नामंजूर करण्याचे अंतिम अधिकार ग्राम पंचायत कार्यालयास राहील.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत क़ारला ता. अंजनगांव
सुर्जी ,जि.अमरावती.

भाव रखने वाले को ही होते हैं परमात्मा के दर्शन

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी-ज़ीवन में प्रभु में आस्था और विश्वास रखने वाले को ही परमात्मा का दर्शन हो सकता है. विश्व भर से आज लाखों की संख्या में भक्त तिरूपति में आते हैं, एक बार आने वाला अगर जीवन भर आने की चाहत रखता है तो निश्चित ही इसमें श्री व्यंकटेश्वर प्रभु की महिमा है. हे मुनिगण मेरे दर्शन करने के लिए आनंद के साथ आपके यहाँ आना मुझे लग रहा है कि मेरे प्रति आप अत्यंत भक्ति परिपूर्ण हैं. मैं आपके लिए उचित कौन से वरदान दे सकता हूँ. आप इतने दूर से आये हैं. श्री वेंकटेश्वर की बातों को सुन कर मुनिवरों को अत्यंत हर्ष हुआ.भक्ति से वेंकटनाथ को बार-बार नमन करते हुए उन्होंने इस रूप में विनती की. हे परब्रह्म स्वरूपा सारे विकारों से परे आप वैकुंठ से पधार कर यहाँ वेंकटगिरि पर बसे आपको मनुष्य आत्मा में आपके दर्शन कर रहे हैं, आपके दिव्य मंगल विग्रह को अब हमने श्री वेंकटाद्रि पर अपने चर्म-चक्षुओं से दर्शन किए. हमारे लिए यही बहुत कुछ है और वरदानों की आवश्यकता किसलिए है, अब करुणा से हमें मोक्ष मार्ग दिखाना ही चाहिए और वरदानों की आवश्यकता नहीं है.कहने पर नारायण ने मंदस्मित वदन से मुनियों से इस रूप में कहा. हे मुनिगण परिपूर्ण कामी महामुख्य जगत में पावन लोग हैं. इसलिए आप वरदानों नहीं मांगते हुए अपने निष्काम को प्रकट कर रहे हैं. इसी निष्काम भाव के कारण ही आपको अमित संतोष प्राप्त हुआ है. परम शांति को प्राप्त करनेवाले आपको काम्यार्थों से कोई काम नहीं है. आत्मानुभव ही आपकी संपदा है. आपके मन को जानने के लिए ही मैंने अच्छे वरदानों के बारे में पूछा है. आप में निष्काम तत्व को मैंने देखा है. आपको प्रीति से मैं आगे उत्तम पद प्रदान करूँगा. बड़े-बड़े वरदान मैं मनुष्यों को देते हुए धरती पर विपुल अनुपम ढंग से ब्रह्मोत्स्व करने से यहीं रहते हुए मैं उन्हें स्वीकार करूँगा. पहले कन्या मास में ब्रह्म ने महोत्सव किया है, इसलिए उनके संकल्प के अनुसार ही उन्हें और वृध्दि करने के उद्देश्य से धरती पर के जनों को पहाड़ बुला लाकर उनकी मनौतियों की पूर्ति करते अखिल भोग मैं यहाँ प्राप्त करूँगा.ऐसी मेरी लीलाओं को सदा स्मरण करते हुए भक्तजन भजन करते रहते हैं. दूर रहनेवालों को तथा समीप रहनेवालों को उनके अभिष्टार्थ को देकर मैं उनकी रक्षा करता रहूँगा. हे पुण्यजन मैं उनको देहांत के बाद पुण्यगतियाँ भी प्रदान करूँगा.हरि की इन बातों को सुनकर अत्यंत आनंदित होकर शेषाद्रि पर रहते मुनिगण ने हरि की विनती की है.

तदुपरांत मुनियों को वेंकटगिरी नायक ने देखकर करूणा से आपको यहाँ पर क्यों रहना है हे मुनीश्वर अब आप अपने आश्रम पर चलिए. श्री वेंकटेश्वर की इस आज्ञा को पाकर मुनिगण ने श्रीवेंकटेश्वर श्रीदेवी भूदेवी और नीलादेवी को नमस्कार करते हुए वहाँ से निकल जाने की अनिच्छा से फिर नेत्र पर्व के रूप में हरि की ओर देखकर नेत्रों से आनंद भाष्पों के निकलते निगमांत सूक्तियों से हरि की स्तुति करते करते तृप्त न होकर बार-बार स्वामी के सुंदर रूप को चित्त में स्थिर करके तन्मयत्व को प्राप्त करके सारे मुनिगण उस अनंत और विश्वमोहन को छोड़ कर जाने में असमर्थ हुए. उनकी इस दशा को देखकर पद्नोदर ने इस रूप में कहा.हे परम मुनिगण निर्गुण ब्रह्म कहलाने वाले मैं सगुण विलासों को मनुष्यों को दिखाकर रक्षा करने के उद्देश्य से ही इस स्थल पर विराजमान हूँ, वैसे मैं सर्वत्र व्याप्त हूँ. इसलिए पूर्ण विवेकवान को कभी मुझे छोड़कर रहने का वियोग नहीं होता हैं, अपने विमल स्वरूप को सदा उनको दिखाते रहूँगा. इसलिए सद्भावना से वह मुझे पकड़े बिना सर्वत्र देखता रहेगा.आप भी उस विधान को ग्रहण करके अपने स्थलों पर चलिए. मैं यहीं पर रहूँगा.इस रूप में मुनियों को पुण्यात्मा स्वरूप वाले नैमिशारण्य भूमि में लौट जाने का उपदेश देकर श्रीनिवास ने मौन मुद्रा धारण की.फिर अभ्युदय ढंग से अर्चा मूर्ति के रूप में विराजित हुए तब शिला विग्रह के रूप में अर्चामूर्ति बने श्री वेंकटेश्वर को देख कर आश्चर्यचकित होकर पूर्णभाव से मुनियों ने इस रूप में प्रशंसा की है. मुनीश्वरों के व्दारा वेंकटेश्वर की स्तुति करना पंच चामर श्लोक-सरोजपत्र लोचन सुसाध खेद मोचन चरचरात्मक प्रपंच साक्षीभूत अव्यय मुरारी पद्नजामरेंद्र पुजितांघ्रि पंकज सागरात्मेश्र्वर हे वेंकटेश्वर आपका सदा स्मरण करते रहेंगे.क्ररोड़ों भक्तों के जीवन में प्रभु ने अपार परिवर्तन लाया है, आज भी तिरूपति के लिए अमरावती से जाने वाली गाड़ी ही नहीं तो विश्व स्तर पर लाखों भक्त प्रभु के चरणों में अपने दुःखों को बताते हैं इससे मुक्ति पाते हैं. जहां आस्था है, श्रद्धा है, वहीं विश्वास होता है, यह तीनों जब मिलकर काम करते हैं तो भक्तिभाव वाले व्यक्ति के जीवन में आने वाला परिवर्तन चमत्कारी होता है. केवल श्रद्धा होना चाहिए.

जय गोविंदा,जय गोविंदा

शेष अगले अंक में

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.

कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई उस आदेश पर तत्काल रोक

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने मंगलवार को दो जजों की बेंच के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें महाराष्ट्र को अकोला में 2023 के सांप्रदायिक दंगों से जुड़े दो अपराधों की जांच के लिए हिंदू और मुस्लिम समदायों के पुलिस अधिकारियों वाली एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाने का निर्देश दिया गया था.महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने क्ख्क्ष बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन और एन वी अंजारिया की बेंच को बताया कि पुलिसवाले वर्दी पहनने के बाद अपनी धार्मिक पहचान खो देते हैं, और सदस्यों की आस्था के आधार पर च्क्ष्च्र बनाने का निर्देश सेक्यलरिज़्म के उन सिद्धांतों का उल्लंघन होगा जो पुलिस के काम करने के तरीके को कंट्रोल करते हैं.

उन्होंने कहा कि राज्य की ड्यूटी है कि वह एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करे और एक एसआइटी बनाए - जैसा कि 11 सितंबर को जस्टिस संजय कुमार और एस.सी. शर्मा की बेंच ने निर्देश दिया था. 7 नवंबर को, इसी बेंच ने महाराष्ट्र सरकार की उस पिटीशन पर बंटा हुआ फैसला सुनाया जिसमें ऑर्डर के उस हिस्से का रिव्यू करने की मांग की गई थी जिसमें सरकार को पुलिसवालों को उनकी पर्सनल आस्था के आधार पर चुनने का निर्देश दिया गया था. इस मामले पर सभी की निगाहें लगी हैं.

मानवता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है

सेवाभावी दिलीपभाई पोपट : अन्नदान जैसे कार्य में सभी को देना चाहिए सदा योगदान

विदर्भ स्वाभिमान, 29 नवंबर

अमरावती-मानवता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं है.भक्तिधाम मंदिर जहां धार्मिकता का लोकप्रीय केन्द्र है, वहीं दूसरी ओर मानव सेवा का भी केन्द्र बना है. जलाराम सत्संग मंडल के अध्यक्ष तथा रघुवीर ग्रुप के प्रमुख दिलीपभाई पोपट ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने व्यवसाय की कामयाबी के साथ ही स्वयं को सामाजिक और धार्मिक सेवा में भी समर्पित किया है. उनका मानना है कि संत जलाराम बाप्पा के मानवता की सेवा के सिद्धांतों को उन्होंने जीवन मैं अंगीकार किया है. जलाराम सत्संग मंडल के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रयासों से यहां भोजनदान का निरंतर सेवा कार्य चल रहा है. मंडल के प्रमुख और सुख्यात समाजसेवी दिलीपभाई पोपट के मुताबिक दिल से की जाने वाली मानव सेवा कभी बेकार नहीं जाती है. इससे अपार संतुष्टि मिलती है. हर इन्सान को इन्सान के काम आने का प्रयास करना चाहिए. साथ ही यह प्रयास करना चाहिए कि वह कितने चेहरों पर खुशी देने का प्रयास कर सकता है. ऐसा करने के बाद उसकी खुशियों को कभी ग्रहण नहीं लगता है. यह मत रघुवीर के प्रमुख दिलीपभाई पोपट ने व्यक्त किया. वे कहते हैं कि उनका अनुभव जीवन में सेवा का सदैव ऐसा ही रहा है. सेवा से मिलने वाले सुकून की तुलना दौलत से नहीं की जा सकती है. इसलिए जितना बन पड़े सदैव सेवा करने का काम करना चाहिए.विदर्भ

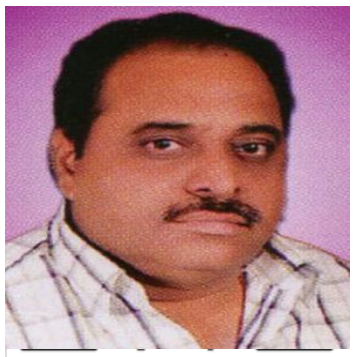

साक्षात्कार

स्वाभिमान से बातचीत में उन्हों ने बताया कि सेवा कभी बेकार नहीं जाती है. उनके मुताबिक सेवा से मिलने वाले सुकून की तुलना करोड़ों की दौलत से भी नहीं हो सकती है. ऐसे में सदैव यह प्रयास करना चाहिए कि सेवाभावी व्यक्तियों को काम में तल्लीन होना चाहिए. धर्म व्यक्ति को शांति और ताकत देता है. संस्कार उसे मजबूत बनाते हैं. इसलिए समय के साथ ही संस्कार, आदर्श विचारों का जतन करने की बात वे कहते हैं. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले ग़ुजराती समाज के प्रमुख दिलीपभाई पोपट दिलदार व्यक्ति के रूप में भी पहचाने जाते हैं. संत जलाराम बाप्पा के अनन्य भक्त दिलीपभाई पोपट कहते हैं कि संतश्री ने ही मानवता की सेवा की सीख दी है. इस काम में सभी की मदद मिलने का जिक्र वे विशेष रूप से करते हैं.सेवा की अविरल धारा सदैव चलाने का विश्वास जताया.उनके मुताबिक ज़ीवन में जो लोग औरों को खुशियां बांटते हैं, बिना किसी स्वार्थ के किसी की भी मदद को तत्पर रहते हैं, उनकी चिंता प्रभु करते हैं. इसलिए जितना संभव हो सके, अच्छी सोच के साथ अच्छा करते रहना चाहिए. किसी नेक काम में लगा एक रूपये भी अपने साथ दस रूपए लाता है. इसलिए मानवता की सेवा, जीवों पर दया का भाव रखते हुए सदैव काम करना चाहिए. जिस प्रकृति ने हमें भरपूर दिया है, आक्सीजन के रूप में सांसें दी हैं, उसकी चिंता भी करनी चाहिए, इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी सुदर्शन गांग ने व्यक्त किया.अपने से कमजोर व्यक्ति की मदद भी प्रभु की पूजा से कम नहीं रहने की बात दिलीपभाई पोपट ने कही.

सर्दियों में यह काढ़े बचाते हैं बीमारियों से, रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ाते हैं

ऐसे में आप कुछ हर्बल काढ़ों की मदद से जल्द राहत पा सकते हैं.

सर्दी का सीजन जहां अपने साथ सुहाना और खुशनुमा माहौल लेकर आता है, तो वहीं इस मौसम में अक्सर पाचन संबंधी समस्याएं और सर्दी-जुकाम परेशानी की वजह बन जाते हैं. इतना ही नहीं इस दौरान विभिन्न बीमारियों का भी डर रहता है. यह बीमारियां त्रस्त करती हैं. इनसे बचने और रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ाने के लिए कुछ काढ़े और खान-पान के बदलाव से काफी लाभ हो सकता है. ठंड का यह सीजन अक्सर अपनी ठंडक के लिए पसंद किया जाता है, लेकिन इस मौसम के आते ही सर्दी और खांसी के मामले भी तेजी से बढ़ने लगे हैं. सर्दी- जुकाम की समस्या अक्सर हमारे रोजमर्रा के कामों में बाधा डालती है. ऐसे में इससे जल्द राहत पाने के लिए लोग दवाओं का सहारा लेते हैं. हालांकि, कुछ ऐसे घरेलू उपाय भी हैं, जो पुराने समय से इससे राहत दिलाते आते हैं.

दालचीनी काढ़ा-सर्दी-खांसी से राहत पाने के लिए आप दालचीनी काढ़ा ट्राई कर सकते हैं. इसे बनाना काफी आसान है और यह मौसमी बीमारियों से बचाने में आपकी मदद कर सकता है. इसे बनाने के लिए एक पैन में एक-दो कप पानी और इसमें दालचीनी पाउडर डालकर उबलने दें. आप चाहें तो इसमें एक चम्मच शहद भी मिला सकते हैं. यह काढ़ा आपकी इम्युनिटी मजबूत बनाने के साथ शरीर की ताकत बढ़ाने में मदद कर सकता है.

तुलसी-काली मिर्च का काढ़ा-लोग अक्सर कमजोर इम्युनिटी की वजह से सर्दी-खांसी से पीड़ित हो जाते हैं. ऐसे में इससे राहत पाने के लिए आप रोजाना तुलसी का काढ़ा पी सकते हैं. तुलसी का काढ़ा बनाने के लिए एक पैन में पानी गर्म करने के बाद उसमें तुलसी के पत्ते, दालचीनी, काली मिर्च और सोंठ डालकर कुछ देर तक उबालें और फिर छान लें. अब इसे गुनगुना हो जाने पर पी लें.

गिलोय का काढ़ा-आयुर्वेद में लंबे समय से गिलोय का इस्तेमाल कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए किया जा रहा है. हालांकि, कोरोनाकाल के बाद से ही इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ गई है. ऐसे में सर्दियों में हेल्दी रहने के लिए आप भी गिलोय का काढ़ा पी सकते हैं. इसे बनाने के लिए 1 चम्मच

महिलाओं की पसंद बनी है श्रद्धा होलसेल साड़ी,उमड़ती है ग्राहकों की रहती भीड़

प्रतिनिधि/विदर्भ स्वाभिमान

अमरावती,29 नवंबर- शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में भव्य साड़ी शोरूम के रूप में सुख्यात श्रद्धा होलसेल साड़ी महिलाओं की पसंद और जरूरत बन गया है. केवल जिले ही नहीं बल्कि पड़ोसी मध्य प्रदेश से भी ग्राहक यहां पर आते हैं. ग्राहकों की भीड़ सदैव रहती है. संचालक पूरण लाला के साथ ही पूरी टीम ग्राहकों के संतोष के साथ ही उन्हें गुणवत्तापूर्ण साड़ियां देने में सदैव तत्पर रहती है.शोरूम ने लाखों महिलाओं के साथ ही ग्राहकों के दिलों में अपनी महत्वपूर्ण जगह बनाई है. यही कारण है कि दोनों ही शोरूम में हजारों ग्राहकों की भीड़ रोज विश्वास के साथ उमड़ती है. संचालकों के साथ ही कर्मचारियों का स्वभाव सभी को भाता है.

किसी भी क्षेत्र में जबर्दस्त स्पर्धा के बीच अपना स्वयं का स्थान मजबूत करना आज के दौर में सामान्य बात नहीं है. लेकिन श्रद्धा साड़ी और श्रद्धा होलसेल फैमिली शॉपिंग मॉल के संचालकों ने इस बात को साबित किया है. ग्राहकों के विश्वास, बेहतरीन गुणवत्ता, तत्पर सेवा, रियायती कीमत जैसी खूबियों के कारण इस प्रतिष्ठान ने महिलाओं के दिल में स्थान बनाने में कामयाबी प्राप्त की है. यही कारण है कि महिला ग्राहकों की चाहत और जरूरत दोनों ही प्रतिष्ठान बने हैं. इसके संचालक पूरण लाल के कुशल मार्गदर्शन में कर्मचारियों की तत्परता और ग्राहकों से बातचीत करने का तरीका भी श्रद्धा की शानदार कामयाबी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर पर सुख्यात श्रद्धा साड़ीज के साथ ही बिजीलैंड स्थित होलसेल फेमिली शॉपिंग मॉल में ग्राहकों की सदैव भीड़ लगी रहती है. त्यौहारों के दौरान संचालकों द्वारा बेहतरीन ऑफर तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से ग्राहकों को अधिकाधिक लाभ देने का प्रयास किया जाता है. संचालक पूरणलालजी बताते हैं कि ग्राहक उनके लिए देवता समान होते हैं. इसलिए उनका हरसंभव समाधान करने का प्रयास करते हैं. सुख्यात कंपनियों की साड़ियां तथा अन्य अनगिनत आइटम्स जहां महिला ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं. ग्राहकों के दिलों पर यह प्रतिष्ठान राज करता.

सभी के चहेते,सेवाभावी युवा नेता हैं प्रा.डॉ.अजय बोंडे

विदर्भ स्वाभिमान,26 नवंबर

अमरावती- महापालिका का चुनाव आगामी समय में होने वाला है. लोगों को शिकायत करने के लिए पांच साल लेकिन समझदारी दिखाने का एक बार मौका मिलता है. जो लोग समझदारी का परिचय देते हैं, उनके प्रभाग की किस्मत बदल जाती है. महापालिका चुनाव की तैयारियों में कई प्रत्याशी लगे हैं, ऐसे समय लोगों को समझदारी से ऐसे व्यक्ति को चुनने का प्रयास करना चाहिए जो उच्च शिक्षित हो, सेवाभावी हो और अहंकार नहीं रखने वाला हो. वह सरकारी योजनाओं और विकास के लिए कहां से निधि लाई जा सकती है, इसकी भी जानकारी रखती हो. पांच साल में मताधिकार सभी मतदाताओं के लिए किसी ब्रह्मास्त्र से कम नहीं होता है, ऐसे समय में इसका सही उपयोग प्रभाग के विकास, युवाओं को रोजगार, गरीब छात्रों की मदद के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने वाली मानसिकता में रहते हैं, ऐसे सक्षम उम्मीदवार को चुनने के बाद पूरे प्रभाग का भाग्य बदल सकता है लेकिन हमसे हुई गलती पांच साल दुर्भाग्य में बदल सकता है. क्षेत्र निवासी तथा सभी से परिचित प्रा.डॉ. अजय बोंडे भी ऐसे ही व्यक्ति हैं, जो पिछले पंद्रह साल से सेवाभावी वृत्ति से काम करने वाले हैं, हर व्यक्ति के सुख और दुख में जहां पहुंचते हैं, वहीं मेधावी छात्रों के सत्कार के साथ ही जरूरतमंदों की मदद का भाव रहता है.

आदर्श नगर सेवक के सभी गुण जहां उनमें हैं, वहीं प्रभाग के विकास के लिए राकांपा नेता तथा विकास को समर्पित विधायक दम्पति संजय खोडके, सुलभाताई खोड़के के करीबियों में रहने से प्रभाग के विकासार्थ करोड़ों रूपए की निधि लाने की ताकत भी रखते हैं.आदर्श नगर सेवक वह होता है जो समाज, शहर और नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखकर ईमानदारी व समर्पण से काम करे. ऐसा नगर सेवक कैसा होना चाहिए, इसका विचार करना चाहिए, वह ईमानदार और पारदशी होना चाहिए.घर भरने के लिए नहीं बल्कि

सेवाभाव से विकास तथा युवा पीढ़ी को संवारने में योगदान देने वाला हो.हर निर्णय और खर्च जनता के सामने पारदर्शी हो, आम लोगों की समस्याएँ ध्यान से सुनने वाला और उसका यथासंभव आश्वासन देने वाला नहीं बल्कि निराकरण करने वाला हो. हर वर्ग गरीब, बुज़ुर्ग, महिलाएँ, युवा सभी के लिए समान व्यवहार करने की खूबी के कारण डॉ.अजय बोंडे प्रभाग में अपार लोकप्रियता हासिल की है. वह प्रभाग की जनता से नियमित मिलने के साथ ही सदा मददगार के रूप में सक्रिय रहते हैं. किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई के साथ शहर के विकास के लिए समर्पित रहता है.सड़क, पानी, सफ़ाई, बिजली, स्वच्छता, यातायात आदि पर लगातार काम करने में सक्षम हैं. शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं, कई शिविरों में सहयोग के साथ ही छात्रों के लिए भी मार्गदर्शन कक्षाएं लगाने, मेधावी छात्रों का सत्कार, महापालिका विद्यालयों की दशा सुधारने के साथ ही बेहतरीन शिक्षा के साथ ही अन्य कई बातों पर ध्यान देंगे.स्कूलों व अस्पतालों की व्यवस्था सुधारना, बच्चों, महिलाओं और बुज़ुर्गों पर विशेष ध्यान देते हैं. ऐसे सक्षम उम्मीदवार को लोगों का आशिर्वाद मिलने के बाद निश्चित ही प्रभाग में विकास की गंगा बहेगी.प्रभाग के सर्वांगीण विकासार्थ जब तक ऐसे लोग राजनीति में नहीं आएंगे, राजनीति गलत रहने की बात अक्सर होती है लेकिन जब तक हम अच्छे लोगों के साथ खड़े नहीं होंगे तब तक दिक्कतें कायम रहेंगी. अच्छे लोगों का साथ देने के बाद ही हमें बेहतरीन नतीजे मिलें गे, इतना निश्चित हैं, देखते हैं कितने लोग साथ देकर अच्छा चुनते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

गुरूवार 20 नवंबर से 26 नवंबर 2025

मेष-कैरियर / आर्थिक स्थिति: इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्य: शुरुआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवार: रिश्तों में मधरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाह: बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

वृषभ-कैरियर / आर्थिक स्थिति: यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यार: घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाह: खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

मिथुन-कैरियर / आर्थिक स्थिति: धन आगमन के योग हैं. कछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्त जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यार: पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाह: किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

कर्क-कैरियर / आर्थिक स्थिति: पराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्य: मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यार: पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाह: प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

सिंह-कैरियर / आर्थिक स्थिति: आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्य: काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यार: घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाह: अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

कन्या-कैरियर / आर्थिक स्थिति: भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्य: स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में मधरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाह: सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयक्त है.

तुला-कैरियर / आर्थिक स्थिति: ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंत जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्य: बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पराने झगड़े सुलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाह: वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होंगा.

वृश्चिक-कैरियर / आर्थिक स्थिति: मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्य: मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान-मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाह: विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे स्वख से दूरी बनाएं.

धनु-कैरियर / आर्थिक स्थिति: स्के हए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्य: हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यार: साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाह: अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

मकर-कैरियर / आर्थिक स्थिति: करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्य: नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यार: पराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाह: जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण लाभदायी रहेगा.

कुंभ-कैरियर / आर्थिक स्थिति: पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यार: पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाह: कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

मीन-कैरियर / आर्थिक स्थिति: नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्य: स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यार: परिवार और दोस्त-रिश्तों में सकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाह: दिल की सनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

ज़य गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविदा

श्री दत्त जयंती अखंड नामजाप यज्ञ सप्ताह कल से

श्री स्वामी समर्थ सेवा व अध्यात्मिक विकास केन्द्र की धार्मिक पहल,भक्तों का उमड़ेगा सैलाब

विदर्भ स्वाभिमान, 26 नवंबर

अमरावती- शहर के साथ जिले में 4 दिसंबर को दत्त जयंती श्रद्धा तथा भक्तिभाव से मनाई जाएगी.शहर के साथ ही जिले में हर साल की तरह ही इस साल भी श्री दत्त जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. हर वर्ष मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, जिसे भगवान दत्तात्रेय का जन्मदिवस माना जाता है. यह हिंदू पर्व ब्रह्मा, विष्णु और महेश इन तीनों का संयुक्त स्वरूप माने जाने वाले भगवान दत्तात्रेय की जयंती के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है. इस दिन दत्त नामजप, पूजा-अर्चना और गुरुचरित्र पाठ का विशेष महत्त्व रहता है, इसको ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न श्री दत्त मंदिर, स्वामी समर्थ केन्द्र में भी कई कार्यक्रम होता है.

श्री स्वामी समर्थ सेवा व आध्यात्मिक विकास केन्द्र दिंडोरी प्रणित आरोग्य सेवा कॉलोनी रहाटगांव में शुक्रवार 28 नवंबर से शुक्रवार 5 दिसंबर तक श्री दत्त जयंती अखंड नामजप यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है. सभी भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है. इसके साथ ही शहर के अन्य स्वामी समर्थ मंदिर तथा केन्द्रों में भी विभिन्न कार्यक्रम होंगे. रहाटगांव में कार्यक्रम की शुरुवार गुरुवार 27 को यजमान से ग्राम देवता आमंत्रण, पारायण के लिए बैठक आरक्षित करने, ध्वजारोहण, अग्निस्थापना, शुक्रवार 28 से सप्ताह प्रारंभ, देवता स्थापना, मंडल सजावट स्थापित देवता हवन तथा गुरूचरित्र वाचन शुरू होगा. शनिवार 29 को नित्यस्वाहाकार, गणेश याग व मनोबोध याग, रविवार को नित्य स्वाहाकार, स्वामी याग, सोमवार को नित्य स्वाहाकार, गीताई याग, मंगलवार को नित्य स्वाहाकार, चंडी यज्ञ, बुधवार नित्यस्वाहाकार, रूद्र याग, मल्हारी याग, गुरुवार नित्यस्वाहाकार, बली पूर्णाहुति, भगवती को अलंकार यज्ञ द्वारा अर्पण किया जाएगा. सभी कार्यक्रम में भक्तों से सहभागी होने तथा लाभ लेने का आग्रह किया गया है.शुक्रवार 5 दिसंबर को श्री सत्यदत्त पूजन व समापन समारोह, पूजन पश्चात महाआरती व गोपाल काला होगा. यज्ञ में नारियल अर्पण किया जाएगा. श्री दत्त जयंती अखंड नामजप यज्ञ सप्ताह में सुबह 5 बजे से शाम 7 बजे तक श्री गुरूचरित्र वाचन के साथ ही औदुंबर प्रदक्षिणा, यज्ञ मंडप में रोज का काम, भूपाली आरती, एक माल श्री स्वामी समर्थ सामुदायिक जप, नित्य स्वाहाकार, नैवेद्य आरती, दुर्गा सप्तशती व स्वामी सारांमृता पारायण, प्रश्नोत्तर, हस्तरेखा, जन्मकुंडली देखने, समस्या निराकरण के साथ ही वास्तु शाखा पर मार्गदर्शन किया जाएगा. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

कैट का स्वदेशी रथ आज से जिला दौरे पर

कल वरूड से होगा रवाना, परसों अमरावती पहुंचेगा,विभिन्न क्षेत्रों में स्वागत,विशेष कार्यक्रम

विदर्भ स्वाभिमान,26 नवंबर

अमरावती- स्वदेशी भावना को प्रोत्साहन देने एवं स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापारियों के शीर्ष संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडस (कैट) की ओर से निकाले गए स्वदेशी रथ द्वारा कल 27 नवंबर को वरूड से अमरावती जिले में अपने दौरे व विशेष कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी, जिसके उपरांत वरूड, मोर्शी व नांदगांव पेठ होते हुए यह स्वदेशी रथ परसों 28 नवंबर को अमरावती पहुंचेगा. जिसका अमरावती शहर में कैट के पदाधिकारियों द्वारा धूमधाम के साथ स्वागत किया जाएगा.

इस संदर्भ में कैट के पदाधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक कल 27 नवंबर की सुबह वरूड कैट टीम के नेतृत्व में स्वदेशी रथ का वरूड में नगर भ्रमण होगा, जिसके बाद यह रथ दोपहर 12 बजे मोर्शी के लिए प्रस्थान करेगा और दोपहर 1 बजे मोर्शी में रथ का स्वागत मोर्शी कैट टीम के नेतृत्व में किया जाएगा. जहां से यह रथ आगे की यात्रा पर रवाना होगा और दोपहर 2 बजे नांदगाव पेठ में स्वदेशी रथ का स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां नांदगाव पेठ कैट टीम नेतृत्व करेगी. उसके बाद रथ बिझीलैंड पहुंचेगा, जहां कैट जिला सचिव आत्माराम पुरस्वनी एवं जिला उपाध्यक्ष पुरण लाला के नेतृत्व में स्वदेशी रथ का भ्रमण किया जाएगा. फिर यह स्वदेशी रथ सिटीलैंड में कैट के जिला उपाध्यक्ष अनुप हरवानी तथा ड्रीमलैंड में कैट के जिला उपाध्यक्ष वासुदेव कृष्णानी के नेतृत्व में भ्रमण करेगा. पश्चात यह स्वदेशी रथ ड्रीमलैंड से निकलकर पंचवटी व इर्विन मार्ग होते हुए रथ शाम 3 बजे राजापेठ परिसर पहुंचेगा. जिसके बाद कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भारतीया की उपस्थिति में श्रमिक पत्रकार भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई है.

इसके उपरांत 28 नवंबर को कैट के स्वदेशी रथ की यात्रा का प्रारंभ कैट के जिला अध्यक्ष गोविंद सोमानी के सक्करसाथ स्थित प्रतिष्ठान से होगा. जहां पर कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भारतीयाजी एवं स्वदेशी आंदोलन के प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे. इस समय गोविंद सोमानी के नेतृत्व में स्वागत एवं संबोधन होगा, जिसमें मुन्ना सेवक, मनोज खंडेलवाल, रामेश्वर गगड़, सिमेश श्रॉफ, राजेंद्र भंसाली, श्रीकिशन व्यास सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहेंगे. इसके उपरांत जवाहर गेट पर नितेश पांडे, दीपक व्यास और विक्की शर्मा के नेतृत्व में फूल वर्षा कार्यक्रम होगा. यात्रा मार्ग में हनुमानदासजी मानका एवं प्रकाश उदवानी स्वागत करेंगे. प्रभात चौक पर रामदेव बाबा मित्र परिवार, जबकि सरोज चौक पर प्रमींदर अरोरा, स्क्मणि वल्लभ के संचालक शिरभाते, तरुण शर्मा, संदीप गौड़बोले, सुनील सरोदे व अन्य व्यापारियों के नेतृत्व में स्वागत होगा. इसके बाद पुराणसेठ हबलानी स्वागत करेंगे. आगे जयस्तंभ चौक पर स्वागत व संबोधन कार्यक्रम होगा, जिसमें पप्पू भाई गगलानी, सौरभ मालाणी, महेश आडवाणी, मनोज डपले, आनंद अग्रवाल, घनश्याम खंडेलवाल, गजु मुंदड़ा, अतुल कदमकर एवं व्यापारी संगठनों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रहेगी. सभी व्यापारियों द्वारा इसे सफल बनाने में योगदान दिया जा रहा है, इससे यह प्रयास सफल होने का विश्वास जताया जा रहा है.

अंतिम कार्यक्रम राजकमल चौक पर स्वागत एवं समापन भाषण के साथ होगा, जिसमें कैट की पूरी टीम, महिला विंग, चैंबर ऑफ कॉमर्स, सीपीडीए, रिटेल किराणा एसोसिएशन, मोबाइल एसोसिएशन, टीवी एसोसिएशन, विभिन्न व्यापारी संगठन, सामाजिक व धार्मिक संगठन तथा कई राजकीय प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल होंगे.कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अमरावती जिला अध्यक्ष गोविंद सोमानी एवं टीम के कुशल नेतृत्व में किया जा रहा है. कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी, कैट राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर श्याम शर्मा, विदर्भ अध्यक्ष विनोद कलंत्री एवं विदर्भ महामंत्री सौरभ मालाणी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189